यमुना किनारे बाढ़ के पानी का भंडारण कर ढाई मीटर बढ़ाया भूजल स्तर

दिल्ली सरकार ने पायलट परियोजना के तहत पल्ला में यमुना के किनारे तालाब बनाकर मानसून के दिनों में बाढ़ के पानी के भंडारण की अनोखी पहल की। इसके सकारात्मक परिणाम देखे जा रहे हैं। दिल्ली सरकार के इस पहल से आसपास के इलाके में भूजल स्तर ढाई मीटर तक बढ़ गया है। दिल्ली सरकार ने तीन साल के लिए यह पायलट परियोजना शुरू की थी। उम्मीद है कि अगले मानसून में इस परियोजना का विस्तार होगा। ताकि बाढ़ के पानी का भंडारण कर भूजल स्तर बढ़ाया जा सके।

इसका मकसद भूजल स्तर बढ़ाकर पेयजल आपूर्ति को बढ़ाना है। इसलिए आने वाले दिनों में बढ़े हुए भूजल स्तर का इस्तेमाल दिल्ली में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने में होगा। एनजीटी व केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से स्वीकृति लेकर दिल्ली सरकार ने पल्ला के नजदीक यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 40 एकड़ जमीन में बाढ़ के पानी का संग्रहण शुरू किया था। इसमें 10 एकड़ जमीन ग्राम सभा की जमीन पर है। वहीं 30 एकड़ जमीन दिल्ली सरकार ने किसानों से तीन साल के लिए लीज पर लिया था। वर्ष 2019 के मानसून के दौरान इस परियोजना पर काम शुरू हुआ था और बाढ़ के पानी का भंडारण किया गया था। भूजल स्तर में होने वाले सुधार की जांच के लिए आसपास के इलाकों में 33 पीजोमीटर लगाए गए। इससे पता चला कि इस साल आसपास के इलाकों में 0.50 मीटर से लेकर ढाई मीटर तक भूजल स्तर बढ़ा है।

22 झीलों व 200 जलाशयों का दो साल में पुनर्विकास करने का है लक्ष्य

जल संग्रहण को बढ़ावा देने व प्राकृतिक जल स्रोतों को दोबारा विकसित करने की योजना पर दिल्ली सरकार तेजी से काम कर रही है। ताकि दिल्ली को झीलों के शहर के रूप में भी विकसित किया जा सके। इसके मद्देनजर दिल्ली सरकार ने दो साल में 22 झीलों व 200 जलाशयों के पुनर्विकास का लक्ष्य रखा है।

40

एकड़ जमीन में तालाब बनाकर पल्ला के नजदीक बाढ़ क्षेत्र में शुरू किया जल संग्रहण

जल संग्रहण पिट बनाने पर मिलेगी मदद

दिल्ली सरकार वर्षा जल संग्रहण को भी बढ़ावा दे रही है। इसके तहत भवनों में वर्षा जल संग्रहण पिट बनाने के लिए दिल्ली सरकार 50 हजार रुपये की वित्तीय मदद देगी।